(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

(ग) लघु उद्योग तथा कृषि एवं ग्रामीण उद्योग विभाग द्वारा वर्ष 1992–93 तथा 1993–94 के लिए वास्तविक व्यय आंकड़ों के साथ वर्ष 1994–95 के लिए बजट अनुमान नीचे दर्शाये गए हैं :–

(रु० लाख में)

केन्द्रीय क्षेत्र	वास्तविक व्यय		बजट परि-व्यय
	1992–93	1993–94	1994–95
खादी ग्रामोद्योग आयोग	19300	20800	21600
ग्रामीण औद्योगीकरण	0.0	100	200

खादी तथा ग्रामोद्योगों के लिए निधियों का आवंटन योजना आयोग द्वारा स्वीकृत आवंटन पर निर्भर करता है । इन निधियों की पूर्ति विभिन्न योजनाओं के तहत राज्य सरकारों द्वारा प्रदान की गई निधियों और संस्थागत वित्त द्वारा भी की जाती है ।

इसके अलावा, विकास आयुक्त हस्त-शिल्प, हैंडलूम तथा रेशम उत्पाद कार्यालयों द्वारा भी ग्रामीण उद्योगों के विकास के लिए निधियां आवंटित की जाती हैं । उद्योग, सेवा तथा व्यवसाय कंपोनेंट (आई. एस.बी.) के तहत ग्रामीण उद्योगों के लिए निधियां ग्रामीण विकास मंत्रालय की एकीकृत ग्रामीण विकास योजना के तहत भी प्रदान की जाती हैं ।

Short duration firms on Solar Cooker

*815. SHRI KANAKSINH MOHAN. SINK MANGRGLAr Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government have made short duration films in English, Hindi and regional languages including Gujarati on Solar Cookers;

(b) if so, what is the duration . of such films with names of the producers and the amount spent on each film and

(c) whether Government plan to tele cast theSe films on Solar Cookers on the main and the regional channels of Dooi-darshan and if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES (SHRI S. KRISHNA KUMAR):, (a) The Ministry of Non-Conventional Energy Sources have made a short duration film on Solar Cookers in English and Hindi.

(b) The duration of films is three minuses. It was produced by M/s. Harsh Chawla Films, New. Delhi. An amount of Rs. 49.000/- has beer speent on the film.

(c) The film was essentially produced to cater to the publicity requirements of the Ministry and State Nodal Agencies. Since the quality of the films was net found satisfactory and the suggestions for improvernent given by the Ministry were not carried out by the producer, the film was not used for telecast.

para-medical courses for students

*816. SHRI K. M. KHAN: will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether some Institutions under the Ministry organise various para-medi cal courses for students after qualifying 10th Class and 12th Class Examinations of 10 plus 2 system.

(b) if so, the names of such Institu tions, formalities, periodicity,' eligibility criteria and fees fixed for admission in ench course for those qunlifying 10th and 12th Class separately:

(c) whether some Institutions, recognised by the Ministry are also conducting various para-medical courses for students after qualifying either 10th Class or I2th Class Examination of 10 plus2 sys. tem; and

(d) if so, the names of such Institu-tions, formalities, periodicity, eligibility criteria and charges fixed for ouch course?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (DR. C. SBLVERA): (a) and (c) Yes, Sir.

(b) and (d) The information has been compiled in the form of a book titled "Para Medicals Training in India-1991". Copies have been made available to the Parliament Library.

मिनी और माइक्रो जलविद्युत परियोजनाओं हेतु वित्तीय सहायता

*817. **श्री महेश्वर सिंह :** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने बिजली उत्पादन को बढ़ाने की दृष्टि से विभिन्न राज्यों में मिनी और माइक्रो जलविद्युत परियोजनाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने का निर्णय किया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या किसी राज्य सरकार ने वर्ष 1994-95 के दौरान आर्थिक सहायता प्राप्त करने हेतु इस प्रकार की परियोजनाओं का विवरण भारत सरकार को भेजा है; और

(ग) यदि हां, तो राज्य-वार किन-किन परियोजनाओं को वर्ष 1994-95 के दौरान वित्तीय सहायता प्रदान की गई और इस वर्ष किन-किन परियोजनाओं को सहायता प्रदान की जाएगी ?

गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एस० कृष्ण कुमार) : (क) अपारम्परिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय की पूंजीगत आर्थिक राज सहायता योजना के अंतर्गत 17 राज्यों में, पहाड़ी और उत्तर पूर्व क्षेत्रों सहित, 3 मेगा क्षमता तक की लघु पन बिजली परियोजनायें शुरू की गई हैं। इसके अलावा पहाड़ी और उत्तर पूर्व क्षेत्रों में माइक्रो हाइडिल पोटेंबल सैटों के लिए एक प्रायोगिक परियोजना शुरू की गई है। सर्वेक्षण और जांच पड़ताल तथा विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए संवर्द्धनात्मक प्रोत्साहन भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

(ख) और (ग) इस मंत्रालय की पूंजीगत आर्थिक राज सहायता योजना के अंतर्गत वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न राज्यों से 29 लघु पन-बिजली परियोजना प्रस्ताव प्राप्त हुए। इन प्रस्तावों की तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता की जांच करने के पश्चात् इस योजना के अंतर्गत 20 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। वर्ष 1994-95 के दौरान मंजूर की गई परियोजनाओं का ब्यौरा विवरण में दिया गया है (नीचे देखिए) विभिन्न राज्यों से प्रस्तावों को प्रस्तुत किया जाना और उन्हें मंजूरी प्रदान करना एक सतत् प्रक्रिया है और आर्थिक राज सहायता हेतु प्रस्तावों को, विभिन्न शर्तों के पूरा किए जाने, तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता और निधियों की उपलब्धता के आधार पर, मंजूरी दी जाती है।

विवरण

वर्ष 1994-95 के दौरान मंजूर किए गए प्रस्तावों का विवरण

(लाख रुपए में)

क्रम सं०	राज्य/परियोजना का नाम	एजेंसी	यूनिट आकार (किवा.)	वर्ष 1994-95 के दौरान निर्मुक्त की गई राशि
1	2	3	4	5
हिमाचल प्रदेश :				
1.	गुम्मा	एचपीएसईबी	2X1500	54.000
	उप-जोड़			54.000